मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 138, मुंबई, शनिवार, 2 जुलाई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

'नुपूर शर्मा देश के लिए खतरा'

' नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, टीवी पर आकर देश से मांगे माफी'

'आपके बयान ने भावनाओं को भड़का दिया'

'उदयपुर घटना के लिए आपका बयान जिम्मेदार'

नई दिल्ली। पैगंबर साहब पर विवादित बयान देने के लिए भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि नूपुर ने टेलीविजन पर धर्म विशेष के खिलाफ उकसाने वाली टिप्पणी की। उन्होंने लोगों की भावनाएं भड़काई हैं और देशभर में जो कुछ भी हो रहा है, उसकी जिम्मेदार नूपुर ही हैं। उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया है। कोर्ट ने कहा कि अपने बयान पर माफी भी उन्होंने शर्तों के साथ ही मांगी, वह भी तब, जब लोगों का गुस्सा भड़क चुका था। **(शेष पृष्ठ 4-5 पर)**

'कई एफआईआर के बाद भी पुलिस आपको छुआ तक नहीं'

टीवी चैनल और दिल्ली पुलिस को भी फटकार

कोर्ट ने विवादित बहस को दिखाने वाले टीवी चैनल और दिल्ली पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा, दिल्ली पुलिस ने क्या किया? हमें मुंह खोलने पर मजबूर मत कीजिए। टीवी डिबेट किस बारे में थी? इससे केवल एक एजेंडा सेट किया जा रहा था। उन्होंने ऐसा मुद्दा क्यों चुना, जिस पर अदालत में केस चल रहा है।

सरकार बनी पर सबकुछ ठीक नहीं

फडणवीस नाराज

भाजपा दफ्तर के जश्न का किया बायकॉट

फडणवीस बने जूनियर पद पाने वाले चौथे पूर्व सीएम

मुंबई। महाराष्ट्र में 10 दिन तक चले सियासी ड्रामा के बाद गुरुवार को भाजपा के समर्थन से शिवसेना के एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने। वहीं भाजपा के देवेंद्र फडणवीस को डिप्टी सीएम बनाया गया। सूत्रों के मुताबिक फडणवीस इससे नाराज बताए जा रहे हैं। इस चर्चा को और अधिक बल तब मिला, जब उन्होंने शुक्रवार को भाजपा कार्यालय में होने वाले जश्न का बायकॉट कर दिया। **(शेष पृष्ठ 4-5 पर)**

उद्धव बोले- शिंदे शिवसेना के सीएम नहीं

कोर्ट में सिब्बल ने कहा- यहां डेमोक्रेसी का डांस नहीं चल रहा

इससे पहले, शुक्रवार को शिंदे सरकार के विश्वास मत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में शिवसेना की याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि यह मामला हम 11 जुलाई को ही सुनेंगे। कोर्ट की टिप्पणी के बाद वकील कपिल सिब्बल भड़क गए और कहा- डेमोक्रेसी का डांस नहीं चल रहा, जिस पर कोर्ट ने कहा कि हम आंख खोलकर बैठे हुए हैं।

मुंबई में भारी बारिश

बदलते मौसम के मिजाज को लेकर आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई शहर और उसके उपनगरीय इलाकों में मध्यम से लेकर भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा आईएमडी ने अगले 24 घंटों के दौरान मुंबई के अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, मुंबई में बीते 24 घंटे की अवधि के दौरान 179.13 मिलीमीटर बारिश हुई, इसके बाद शहर के पश्चिमी उपनगरों में 140.58 मिलीमीटर जबकि पूर्वी उपनगरों में 109.06 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। **(शेष पृष्ठ 4-5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

तेज आर्थिक बदलाव

भारत जैसी विशाल अर्थव्यवस्था में बहुत तेज आर्थिक बदलावों का दिखना आश्चर्यजनक नहीं है। महंगाई की मार भी लगातार बनी हुई है, तो रुपये का मूल्य सार्वकालिक निचले स्तर पर है। हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि दुनिया की अन्य मुद्राओं की तुलना में अब भी रुपया बेहतर स्थिति में है। साथ ही, वह यह भी मान रही हैं कि हम कुछ ही हद तक बेहतर स्थिति में हैं। चूंकि हमने अपनी अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से खोल दिया है, इसलिए वैश्विक अर्थव्यवस्था का असर यहां आए दिन होता है। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल डी पात्रा कह तो रहे हैं कि आरबीआई रुपये में ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं होने देगा, लेकिन सच यह है कि इसके लिए सरकार को भी ठोस प्रयास करने पड़ेंगे। रुपया पहली बार 79 के पार पहुंचा है, तो यह कोई प्रशंसनीय बात नहीं है। इस गिरावट के बारे में समग्रता में सोचना चाहिए। शायद हमारी अर्थव्यवस्था बुनियादी रूप से मजबूत होती, तो रुपया यूं लगातार न गिरता। शेयर बाजार या अर्थव्यवस्था में अगर थोड़ा भी सुधार दिखता है, तो जल्दी ही कोई गिरावट मुंह चिढ़ाने लगती है। वित्त मंत्रालय को यह ध्यान रखना होगा कि जो भी आर्थिक सुधार हो रहे हैं, वे जनता के अनुरूप होने चाहिए। आज से देश में भुगतान संबंधी कुछ नियम बदल जाएंगे, ताकि लेन-देन या कर भुगतान में बेईमानी न हो। आधार-पैन को लिंक करने के लिए कड़ाई, क्रिप्टोकरेंसी पर टीडीएस, ऑनलाइन भुगतान के लिए टोकन व्यवस्था, उपहार पर 10 प्रतिशत टीडीएस की व्यवस्था शुरू हो गई। जीएसटी में भी कर वसूली का विस्तार किया गया है। अनेक जरूरी उत्पादों एवं सेवाओं पर कर लगाया या बढ़ाया गया है। सरकार का ध्यान कर वसूली पर है और होना भी चाहिए, पर जहां बेईमानों को दंडित किया जाना चाहिए, वहीं ईमानदारों को प्रोत्साहित करने की क्या व्यवस्था है? लोगों के बीच यह धारणा है कि सरकारों का झुकाव उद्योग जगत की ओर ज्यादा होता है और आम लोगों या नौकरीपेशा लोगों के प्रति अर्थव्यवस्था दशकों से अनुदार ही रही है। जहां से आसानी से वसूली संभव हो, वहां से कर वसूल लेने के प्रवृत्ति नई नहीं है। अर्थव्यवस्था में कुछ विरोधाभास भी हैं। जैसे, सरकार डेयरी उद्योग को कई तरह से बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है, मगर डेयरी मशीन पर जीएसटी को 12 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। नीतियों में स्पष्टता से अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। अनेक ऐसे उत्पाद हैं, जिन पर जीएसटी अभी बढ़ाने की जरूरत नहीं थी, लेकिन सरकार की भी मजबूरी है, उसने तेल के मद में राजस्व से कुछ समझौता किया है, तो वह कहीं न कहीं से भरपाई करेगी। हर मोर्चे पर करों में कमी किसी सरकार के लिए संभव नहीं। फिर भी यह बार-बार दोहराए जाने की जरूरत है कि आम आदमी की तकलीफ का ज्यादा ध्यान रखना चाहिए। सरकार उद्योग जगत को उदारता से साथ लेकर चल रही है, तो उसका फायदा देश को रोजगार व निवेश के रूप में होना चाहिए। यह भी देखना होगा कि काले धन का देश से पलायन बढ़ा है या घटा है। महंगाई अगर बढ़ रही है, तो क्या किसानों व मजदूरों तक उसका सीधा लाभ पहुंच रहा है? मिसाल के लिए, कई जगह टमाटर की कीमत 60 रुपये बढ़कर 100 रुपये हो गई है, तो यह सुनिश्चित करना होगा कि अधिकतम लाभ टमाटर उत्पादकों तक पहुंचे।

महा विकास अघाड़ी का प्रयोग

भले महा विकास अघाड़ी की सरकार पांच साल नहीं चल पाई लेकिन इससे कई बड़े लक्ष्य हासिल हुए हैं या उस दिशा में ठोस पहल हुई है। शिव सेना अभी जो राजनीति कर रही है अगर उसे जारी रखती है तो यह महा विकास अघाड़ी के प्रयोग की बड़ी सफलता होगी।

उद्धव ठाकरे के इस्तीफे के साथ ही क्या यह माना जाए कि महा विकास अघाड़ी का प्रयोग असफल हो गया? अगर इस प्रयोग को सिर्फ इस नजरिए से देखा जाए कि विधानसभा चुनाव के बाद तीन पार्टियां एक साथ आईं और उन्होंने सरकार बना ली जो ढाई साल चलने के बाद गिर गई है तो जरूर लगेगा कि यह प्रयोग असफल हो गया। लेकिन सरकार बनाने और गिरने से इतर अगर राजनीतिक नजरिए से इसका आकलन किए जाए तो इसे किसी भी पहलू से असफल नहीं कहा सकता है। सो, सबसे पहले तो इसका आकलन व्यापक राजनीतिक परिदृश्य को ध्यान में रख कर करना होगा। दूसरा, इसका आकलन इस नजरिए से भी करना होगा कि क्या यह पहला या इकलौता प्रयोग था, जिसमें दो बिल्कुल अलग विचारधारा की पार्टियां साथ आई हों या एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ने वाली पार्टियों ने चुनाव के बाद गठबंधन करके सरकार का गठन किया हो?

इस लिहाज से यह कोई नया प्रयोग नहीं था। भाजपा के नेता भले इसे जनादेश के साथ विश्वासघात बताएं लेकिन वह भाजपा का अपनी सुविधा के लिए गढ़ा गया सिद्धांत है। असल में 'कोएलिशन ऑफ एक्स्ट्रीम' यानी दो अलग अलग ध्रुवों पर खड़ी पार्टियों का गठबंधन भारतीय राजनीति में कोई नई बात नहीं है। आखिर भाजपा ने वामपंथी पार्टियों के साथ मिल कर विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार का समर्थन किया था। बिहार में नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद की पार्टी राजद की एंटी थीसिस के तौर पर अपनी पार्टी बनाई थी लेकिन एक समय उन्होंने उसी पार्टी के साथ तालमेल किया। खुद भाजपा ने महाराष्ट्र में 2014 में एनसीपी की मदद से सरकार बनाई थी, जिसका विरोध करके उसने चुनाव लड़ा था। उसी साल जम्मू कश्मीर में भाजपा ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकार बनवाई थी, जबकि भाजपा ने उस पार्टी को देशद्रोही और अलगाववादियों का समर्थक बता कर चुनाव लड़ा था। सो, 'कोएलिशन ऑफ एक्सट्रीम' कोई नई बात नहीं है और न उस तरह का यह आखिरी प्रयोग था। आगे भी ऐसे प्रयोग होते रहेंगे। असल में इस नजरिए से देखेंगे तो यह एक तात्कालिक राजनीतिक प्रयोग की तरह दिखेगा, जिसका मकसद सरकार बनाना था। सो, इस प्रयोग को कई अलग अलग नजरिए से देखने की जरूरत है।

सबसे पहले तो यह एक कट्टर सांप्रदायिक और क्षेत्रवादी पार्टी के मुख्यधारा की राजनीति में उतरने का प्रयोग था। शिव सेना की शुरूआत दक्षिण भारतीयों के विरोध से हुई थी। बाल ठाकरे ने 'बजाओ पुंगी हटाओ लुंगी' के नारे के साथ शुरूआत की थी। तब मद्रास का नाम चेन्नई नहीं हुआ था। उस समय मुंबई से मद्रासियों को हटाने का आंदोलन चला। फिर शिव सेना कट्टर हिंदुवादी राजनीति में दांव आजमाने उतरी, जब बाल ठाकरे ने सीना ठोक कर कहा कि उनके शिव सैनिकों ने अयोध्या में मस्जिद गिराई। उसका तात्कालिक फायदा यह हुआ कि अगले ही चुनाव में 1995 में शिव सेना और भाजपा पहली बार महाराष्ट्र की सत्ता में आए। उसी समय मराठी मानुष की राजनीति के तहत शिव सेना ने उत्तर भारतीयों का विरोध शुरू किया। लेकिन महा विकास अघाड़ी के प्रयोग में शामिल होते ही शिव सेना का यह स्वरूप बदल गया। अयोध्या का श्रेय तो वह लेती रही लेकिन उसने मुख्यधारा की राजनीति के सारे तत्वों को अपनी राजनीति में शामिल किया। उद्धव ठाकरे ने समावेशी राजनीति की शुरूआत की। उन्होंने मुसलमानों, दक्षिण भारतीयों और उत्तर भारतीयों के प्रति द्वेष की भावना कम करने की दिशा में ठोस पहल की। देश की वित्तीय राजधानी में जिस तरह की सभ्य, सुसंस्कृत और समावेशी राजनीति होनी चाहिए थी वैसी राजनीति उद्धव ठाकरे ने की। यह बहुत बड़ा बदलाव था।

शिव सेना का कट्टर हिंदुवादी पार्टी से एक समावेशी पार्टी में बदलने का एक व्यापक परिप्रेक्ष्य भी है। ध्यान रहे भाजपा के अलावा इस देश में हिंदुवादी राजनीति करने वाली इकलौती बड़ी पार्टी शिव सेना है। कुछ और छोटे छोटे संगठन हैं। जैसे अब भी हिंदू महासभा का अस्तित्व है या कर्नाटक में श्रीराम सेने और उत्तर भारत के कुछ इलाकों में योगी आदित्यनाथ की बनाई हिंदू युवा वाहिनी काम करती है। लेकिन इनका राजनीतिक वजूद कुछ नहीं है। सो, भाजपा और संघ के संगठनों से इतर हिंदू राजनीति करने वाली इकलौती बड़ी पार्टी शिव सेना है, जिसका कायाकल्प हुआ है। शिव सेना ने खुल कर भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया है और हिंदू हितों की बात करते हुए भी भाजपा से इतर राजनीति करने का एक मॉडल पेश किया है। इस बदलाव के दो पहलू हैं। पहला तो यह कि अब आरएसएस ब्रांड की राजनीति करने वाली सिर्फ एक पार्टी है भाजपा। सो, उसे अपनी इस स्थिति का फायदा मिलेगा। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि शिव सेना के कायाकल्प से भाजपा को अलग-थलग करने का मौका भी बनता है।

शिव सेना ने दो विपरीत विचारों वाली पार्टियों के साथ तालमेल करके भाजपा को ढाई साल तक देश के सबसे अमीर राज्य की सत्ता से दूर रखा तो उसका भी एक बड़ा मैसेज देश की दूसरी पार्टियों खास कर भाजपा की सहयोगी पार्टियों में गया है। शिव सेना ने यह दिखाया कि भाजपा भले सर्वशक्तिमान पार्टी हो लेकिन उसके सामने खड़े होकर उसे चुनौती दी जा सकती है। उसे सत्ता से बाहर रखा जा सकता है। शिव सेना ने यह भी दिखाया कि तमाम केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाइयों के बावजूद भाजपा का मुकाबला किया जा सकता है। ध्यान रहे शिव सेना के एक दर्जन नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई चल रही है। इसके बावजूद उसने भाजपा के सामने सरेंडर नहीं किया। आज अगर बिहार में भाजपा के समर्थन से सरकार चला रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी भाजपा को तेवर दिखा रहे हैं तो उसका एक कारण महाराष्ट्र में हुआ महा विकास अघाड़ी का प्रयोग भी है।

इस प्रयोग का एक बड़ा हासिल यह है कि इसको असफल कराने के लिए भाजपा ने जितने उपाय किए हैं उससे भाजपा का सत्ता प्रेम और सत्ता हासिल करने के लिए कुछ भी करने की मानसिकता और भी जाहिर हुई है। इस नाते भाजपा कुछ और एक्सपोज हुई है। वह मध्य प्रदेश और कर्नाटक के घटनाक्रम से भी एक्सपोज हुई थी लेकिन महाराष्ट्र और शिव सेना का मामला जरा अलग है। महाराष्ट्र में भाजपा ने अपनी सरकार बनाने के लिए मुंह अंधेरे में अपने मुख्यमंत्री और एनसीपी के नेता को उप मुख्यमंत्री की शपथ कराई थी। वहां से शुरू करके शिव सेना में बगावत कराने और विधायकों को तीन भाजपा शासित राज्यों- गुजरात, असम और गोवा में छिपाने तक जो कुछ भी हुआ उससे भाजपा की ईमानदार और मूल्यों की राजनीति करने वाली पार्टी का मुखौटा कुछ और उतरा है। उसके कट्टर समर्थक भी मान रहे हैं कि इस ऑपरेशन में बहुत खर्च हुआ होगा। हालांकि राजनीति में सब जायज है, कह कर वे इसे न्यायसंगत ठहरा रहे हैं लेकिन उनको हकीकत मालूम हुई है। सो, इस प्रयोग को असफल नहीं कहा जा सकता है। भले महा विकास अघाड़ी की सरकार पांच साल नहीं चल पाई लेकिन इससे कई बड़े लक्ष्य हासिल हुए हैं या उस दिशा में ठोस पहल हुई है। शिव सेना अभी जो राजनीति कर रही है अगर उसे जारी रखती है तो यह महा विकास अघाड़ी के प्रयोग की बड़ी सफलता होगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

अवैध निर्माण का गढ़ बना मनपा बी/वार्ड

भूमाफिया रफीक राजस्थानी पैसों के दम पर बना रहा है मौत का इमारत

मनपा बी/वार्ड के अंतर्गत हो रहे इस अवैध निर्माण कार्य की शिकायत अगर आप म्हाडा में करने जायेंगे तो म्हाडा के अधिकारियों द्वारा कहा जाता है कि यह मनपा का काम है और अगर मनपा में जायेंगे तो मनपा के अधिकारी कहते हैं इस निर्माण को म्हाडा से परमीशन मिला हुआ है, शिकायतकर्ता को म्हाडा और मनपा के अधिकारी गुमराह करते हुये एक दूसरे पर जिम्मेदारी थोंप देते हैं, सवाल यह है कि जिस निर्माण को परमीशन मिला ही नहीं है तो उसे कैसे निर्माण किया जा रहा है? म्हाडा और मनपा की मिलीभगत से बेकसूर जनता का जानलेवा अवैध निर्माण बिल्डिंग का कार्य जोरों शोरों से किया जा रहा है। बता दें कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बनाई जा रही अवैध बिल्डिंग पूरे लोहे के एंगल पर बनाई जा रही है, और पूरी बिल्डिंग ओवरलोड हो चुकी है और इस वक्त बारिश का मौसम है जिसके कारण कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है, जिसमें हजारों बेगुनाह बेमौत मारे जा सकते हैं

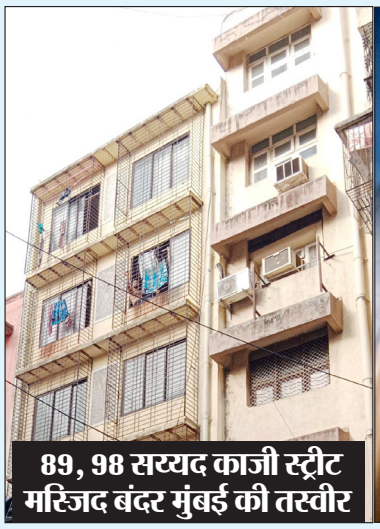
89, 98 सय्यद काजी स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई की तस्वीर

11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई की तस्वीर

भूमाफिया शब्बीर पटेल द्वारा किये जा रहे अवैध निर्माण की तस्वीर
Ward No. 223 Beside.Deewani Clinicshop No. 22/24/26 Tantanpura street Near Hotel al Rehmaniya Khadak Mumbai. 400009

धनाजी हेरलेकर
सहायक आयुक्त, मनपा बी/वार्ड

विशाल साखरकर, बी/वार्ड अधि.

किरण दास, बी/वार्ड अधि.

सूत्रों द्वारा पता चला है कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बी/वार्ड में किये जा रहे अवैध निर्माणों का पैसा किरण दास और विशाल साखरकर द्वारा मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर तक पहुंचाया जाता है

रफीक राजस्थानी

मुंबई। म्हाडा व मनपा की मिलीभगत से मनपा बी/वार्ड प्रभाग क्र. 224 के कार्यक्षेत्र अंतर्गत 89, 98 सय्यद काजी स्ट्रीट मस्जिद बंदर, 11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई में सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के आदेशों पर सबसे बड़ा भूमाफिया रफीक राजस्थानी खुलेआम बेखौफ कर रहा है अवैध निर्माण का कार्य। इस अवैध निर्माण कार्य के बारे में कई बार मनपा बी/वार्ड में शिकायत पत्र दिया गया, लेकिन शिकायत पत्र देने के बावजूद मनपा बी/वार्ड में बेखौफ भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा आज भी अवैध निर्माण कार्य चालू है। बता दें कि सूत्रों द्वारा पता चला है कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बी/वार्ड में किये जा रहे अवैध निर्माणों का पैसा मनपा बी/वार्ड के अधिकारी किरण दास और विशाल साखरकर द्वारा मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर तक पहुंचाया जाता है। साथ ही आपको बता दें कि पूरे मुंबई में सबसे भ्रष्ट मनपा वार्ड 'बी/वार्ड' है, क्योंकि पूरे मुंबई में इतना अवैध निर्माण नहीं होते हैं जितना अवैध निर्माण एक अकेले मनपा बी/वार्ड के अंतर्गत हुये हैं। बता दें कि अवैध निर्माण को स्टे दिलाने का लाइसेंस मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के हाथ में है, अगर आपको अवैध निर्माण करना है तो आप सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर से मिलकर स्टे ले लें, फिर स्टे मिलने के बाद पूरे बिल्डिंग का निर्माण करवाने की जिम्मेदारी सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर और म्हाडा के अधिकारियों का है, आपको अवैध निर्माण करने के लिए पूरा परमीशन, लाइसेंस सब मिल जायेगा और स्टे के बाद भी सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के मेहरबानियों से खुलेआम करिए अवैध निर्माण। क्या सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर कोई बड़ी दुर्घटना होने के बाद ही नींद से जागेंगे? अगर समय रहते इस अवैध निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाती है तो भविष्य में होने वाले दुर्घटना से बचा जा सकता है, लेकिन भ्रष्ट मनपा बी/वार्ड की आंखें तभी खुलती हैं जब मनपा बी/वार्ड में कोई बड़ा हादसा हो जाता है।

महाराष्ट्र के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री तथा उप मुख्यमंत्री को बधाई

मुंबई। महाराष्ट्र के नव निर्वाचित मुख्य मंत्री एक नाथ शिंदे और उप मुख्य मंत्री देवेंद्र फड़नविस को भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा कांदिवली पूर्व विधान सभा अध्यक्ष राजेश दुबे, तथा विधान सभा के मीडिया प्रभारी व पत्रकार संदीप सिंह, उपाध्यक्ष मनोज सिंह मंत्री अनुज सिंह देवेंद्र सिंह, महा मंत्री मनोज पाठक ने बधाई दी।

फडणवीस के साथ जो हुआ वह 'अप्रत्याशित' नहीं था : चंद्रकांत पाटिल

मुंबई। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रकांत पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की नयी सरकार में देवेंद्र फडणवीस के उप मुख्यमंत्री बनने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले हुए नाटकीय घटनाक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने घोषणा की कि शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे और वह सरकार से बाहर रहेंगे। हालांकि, बाद में उन्होंने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पाटिल ने कहा, मुझे पता है कि कई लोग कल की घटना से स्तब्ध हैं। लेकिन जो देवेंद्र फडणवीस के साथ हुआ वह अप्रत्याशित नहीं था।

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के नारवेकर ने दाखिल किया नामांकन

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी से पहली बार विधायक बने राहुल नारवेकर ने शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। जरूरी हुआ तो इस पद के लिए चुनाव तीन जुलाई को होगा। पूर्ववर्ती महा विकास आघाड़ी (एमवीए) का घटक दल रहे कांग्रेस ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से पूछा है कि वह विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए अब सहमति कैसे दे सकते हैं जबकि उन्होंने उस समय इसकी अनुमति नहीं दी जब शिवसेना नीत गठबंधन की सरकार थी। विधानसभा सचिवालय से विधायकों को जारी एक पत्र में कहा गया है कि सदन के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव तीन जुलाई को होगा और इसके लिए दो जुलाई मध्याह्न 12 बजे तक नामांकन स्वीकार किये जाएंगे। एक अधिकारी ने कहा कि मुंबई में कोलाबा विधानसभा से विधायक नारवेकर ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। इस पद के लिए, जरूरत पड़ने पर, तीन जुलाई को चुनाव होगा जब सदन के विशेष सत्र के दौरान एकनाथ शिंदे नीत सरकार को बहुमत सिद्ध करना होगा। अध्यक्ष पद के लिए विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी ने अभी तक अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं किया है। कांग्रेस के विधायक नाना पटोले ने गत वर्ष फरवरी में पद से इस्तीफा दे दिया था तब से विधानसभा अध्यक्ष का पद खाली है। नारवेकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता रामराजे निंबालकर के दामाद हैं जो महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति हैं। भाजपा के एक प्रवक्ता ने पहले बताया था कि विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए राहुल नारवेकर पार्टी के उम्मीदवार होंगे।

मुंब्रा के अमृत नगर दादी कॉलोनी झगड़े चाल परिसर में चरसी गर्दुल्ला नशेड़ियों का आतंक

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा के अमृत नगर दादी कॉलोनी झगड़े चाल परिसर में चरसी गर्दुल्ला नशेड़ीओ का आतंक का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में झगड़े चाल निवासी साजिद शेख द्वारा मिली जानकारी के अनुसार झगड़े चाल में चरसी गर्दुल्ला और नशेड़ीओ का आतंक इतना बढ़ गया है कि हम लोगों का जीना दूभर हो गया है यह नशेड़ी रात 1:00 बजे भरपूर नशा करने के बाद चिल्ला पुकारा करना गाली गलौज करना और रास्ते में चलने वाले लोगों से जबरन झगड़ा करना इनका पेशा बन गया है और हमारे परिसर में चोरी की तीन घटना घट चुकी हैं और यह नशेड़ी युवक बाहर से आते हैं रात में तकरीबन 7 से 8 युवक प्रतिदिन आ रहे हैं और मानो इन लोगों ने यहां पर अपना डेरा ही जमा लिया है गत 26 जून रविवार रात के समय जब मैं टीवी लेकर अपने

साजिद शेख

घर जा रहे थे तभी नशेड़ी द्वारा रहवासियों के साथ झगड़ा कर रहे थे बीच-बचाव करने पर इन नशेड़ीओ ने मुझ पर भी हमला कर दिया और मेरा टीवी तोड़ डाला उन्होंने तुरंत मुंब्रा पुलिस स्टेशन में फोन कर सूचना दी सूचना के बाद दो पुलिस वाले घटनास्थल पर पहुंचे और नशेड़ीओ को डांट डपट कर भगा दिया स्थानीय रहवासियों का कहना है कि मुंब्रा पुलिस इस परिसर में पेट्रोलिंग नहीं करती है और नशेड़ीओ के अंदर मुंब्रा पुलिस का खौफ मानव खत्म होता हुआ नजर आ रहा है और इसी कारण यह बाहरी इलाके से आकर हमारे परिसर में उधम काट करते हैं तो उन्होंने मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग से निवेदन किया है की कृपा रात के समय में पुलिस द्वारा पेट्रोलिंग किया जाए ताकि नशेड़ीओ के अंदर मुंब्रा पुलिस का खौफ पैदा हो सके और हम लोग सुकून की नींद सो सके।

अन्य मुद्राओं की तुलना में रुपया कहीं बेहतर स्थिति में : सीतारमण

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में लगातार आ रही गिरावट के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय मुद्रा दुनिया की अन्य मुद्राओं की तुलना में डॉलर के बरक्स कहीं बेहतर स्थिति में है। सीतारमण ने यहां कार्यक्रम के दौरान रुपये की गिरती कीमत के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'हम कुछ हद तक बेहतर स्थिति में हैं। हम एक बंद अर्थव्यवस्था नहीं हैं। हम वैश्वीकृत अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं। ऐसे में वैश्विक घटनाक्रम का हम पर असर पड़ेगा।' डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत लगातार गिरती जा रही है। बुधवार को यह 79 प्रति डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर से भी नीचे गिर गया।

400 करोड़ से ज्यादा लोग सोशल मीडिया पर एक्टिव

संवाददाता / नई दिल्ली

वर्ल्ड सोशल मीडिया डे हर साल 30 जून को मनाया जाता है। सोशल मीडिया डे पहली बार दुनियाभर में 30 जून 2010 को मनाया गया था। तब से इस दिन को वर्ल्ड सोशल मीडिया डे के रूप में मनाया जाने लगा। 2010 से पहले सोशल मीडिया का बहुत कम लोग यूज किया करते थे। पूरी दुनिया में इसकी जरूरत और ग्लोबल कम्यूनिकेशन में इसके रोल को हाइलाइट करने के लिए वर्ल्ड सोशल मीडिया डे मनाया जाने लगा। 1997 में दुनिया का सबसे पहले पहला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लॉन्च हुआ था।

इसका नाम सिक्सडिग्री था। इस प्लेटफॉर्म को एंड्रयू वेनरिच ने शुरू किया था। आज फेसबुक, यूट्यूब समेत सैकड़ों सोशल मीडिया के पोपुलर प्लटफॉर्म हैं। साल 2001 में इसके दस लाख से ज्यादा यूजर्स थे। लेकिन फिर भी यह बंद हो गया था। दुनिया के 58.4% लोग (462 करोड़) सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक- 2020 से 2022 तक सोशल मीडिया से 42 करोड़ 40 लाख नए यूजर्स जुड़े एक साल में यूजर्स में 10.1% का इजाफा हुआ है। सबसे फेवरेट सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक रहा, जिसे 290 करोड़ लोग चलाते हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर यूट्यूब है, जिसे 250 करोड़ लोग चलाते है। सोशल नेट वर्किंग साइट्स पर लोगों का डेली यूज भी बढ़ गया है। सोशल मीडिया का यूज करने का समय 1.4% बढ़ गया है। अब लोग सोशल मीडिया का ऐवरेज 2 घंटा 27 मिनट तक यूज करते हैं।

33 मोबाइल फोन चुराने वाले मुंब्रा निवासी तीन चोरों, और सोने चांदी के आभूषण चुराने वाले कुर्ला निवासी दो चोरों को ठाणे कासार वडवली पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता/समद खान

ठाणे। 33 मोबाइल चुराने वाले मुंब्रा निवासी तीन चोरों को और सोना चांदी के आभूषण चुराने वाले दो चोरों को कासार वडवली पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में वर्तकनगर विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त निलेश सोनावणे ने जानकारी देते हुए पत्रकारों को बताया गत 25 जून शनिवार को एप्पल कंपनी का मोबाइल स्नैच करने की एफआईआर विनायक बाबाजी सावडके की शिकायत पर दर्ज की गई थी इस एफआईआर के आधार पर कासर वडवली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश बाबशेट्टी के मार्गदर्शन में पीएसआई भूपेश सालूके और उनकी टीम ने यह मामले की छानबीन शुरू की छानबीन के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर तीन व्यक्तियों को रवि स्टील नाका से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार आरोपियों के नाम मोहम्मद रफीक अहमद असलम शेख वर्ष 25 रहवासी अनिल भगत चाल रूम नंबर 10 भोलेनाथ डेरी के करीब दत्ता वाडी मुंब्रा, दूसरा आरोपी कारण विजय तैलकर वर्ष 21 रहवासी अनिल भगत चाल रूम नंबर 10 मुंब्रा पेट्रोल पंप दत्ता वाडी मुंब्रा, तीसरा आरोपी मुशर्रफ अहमद कुरेशी वर्ष 26 रहवासी रूम नंबर दो चाल नंबर 6 अमीनाबाद दौलत नगर चांद नगर कौसा मुंब्रा यह तीनों

आरोपियों को गिरफ्तार कर कथित पूछताछ करने के बाद इनके पास से पुलिस ने 33 मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद किया जिसकी बाजार में कुल कीमत 4,07000/-रुपए बताई जा रही है पुलिस ने इन आरोपियों के विरुद्ध में गुना रजि क्रं 256/2022 भारतीय दंड संहिता की धारा 392, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है पुलिस द्वारा यह बताया जा रहा है की आरोपी मोहम्मद रफीक मोहम्मद असलम शेख के विरुद्ध में थाने कुर्ला मुंब्रा के जीआरपी रेलवे पुलिस स्टेशन में 6 मामले दर्ज है इन तीनों आरोपियों के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया यह तीनों आरोपी मॉल और आईटी पार्क में जाकर चलते हुए जानबूझकर झगड़ा कर लोगों की जेब से मोबाइल उड़ा लिया करते थे वहीं दूसरी कार्रवाई करते हुए कासर वडवली पुलिस ने दो आरोपियों को सोने चांदी के आभूषण चुराने और गाड़ियों का साइलेंसर चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया इन आरोपियों के नाम हैं तुराब अली मकबूल सैयद वर्ष 37 रहवासी हलीमजी नूर मोहम्मद चाल शशिकला नगर कुर्ला पूर्व, दूसरे आरोपी का नाम मोहम्मद असद मोहम्मद अली खान वर्ष 21 रहिवासी रूम नंबर 8 चल नंबर 46 पापड़ वाला चाल चित्तराया मस्जिद के करीब कुर्ला पूर्व इन दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने सोने चांदी के आभूषण और साइलेंसर बरामद किए जिसकी बाजार में कुल कीमत 1,80,600/- रुपए बताई जा रही है इन दोनों आरोपियों के विरुद्ध में गुनाह रजि क्रं 246/2022 भारतीय दंड संहिता की धारा 457,380 के तहत मामला दर्ज किया इन दोनों आरोपी के बारे में पुलिस ने बताया यह आरोपी गाड़ियों से साइलेंसर चुराया करते थे और चलते हुए महिलाओं के ऊपर हाथ की सफाई दिखाते हुए सोने चांदी के आभूषण निकाल लिया करते थे फिलहाल कासार वडवली पुलिस ने कुल मिलाकर देखा जाए तो 5,87,600/-रुपए का माल मुद्दा बरामद किया गया है लगातार घट रही मोबाइल चोरी की वारदात को लेकर वागले एस्टेट विभाग परिमंडल 5 के डीसीपी विनय कुमार राठौड़ ने जनता को सतर्क रहने का अनुरोध किया था कि कृपा भीड़भाड़ वाली जगह पर जैसे बस स्टॉप या अन्य कोई भी जगहों पर अपने वस्तु को लेकर चौकन्ना रहे गौरतलब बात तो यह है कासर वडवली पुलिस द्वारा यह गिरफ्तार किए गए आरोपियों के बारे में यह संभावना जताई जा रही है इसके पीछे इनका पूरा रैकेट हो सकता है और उसकी छानबीन गंभीरता से की जा रही है फिलहाल कासर वडवली पुलिस द्वारा यह बड़ा मामले को उजागर किया गया जिसमें यह चोर पुलिस के हत्थे चढ़ गए यह कार्रवाई थाने पुलिस आयुक्त वागले एस्टेट विभाग परिमंडल 5 के डीसीपी विनायक कुमार राठौड़, सहायक पुलिस आयुक्त वर्तकनगर विभाग के निलेश सोनवणे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश बाबशेट्टी, पीएसआई भूपेश सालूके, पुलिस निरीक्षक वैभव धुमाळ, पुलिस निरीक्षक योगेश अवार्ड, एएसआई एसबी खैरात, पुलिस हवलदार वी एस पाटिल, पुलिस हवलदार आर एस चौधरी, पुलिस हवलदार पीआर तायडे, पुलिस नाईक आर एस महापुरे, पुलिस नाईक डी आर घुगे, पुलिस सिपाही विश्वास बावदाने, पुलिस नाइक आरआर रावते इन लोगों द्वारा यह कार्रवाई को अंजाम दिया गया था।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

औरंगाबाद और उस्मानाबाद का नाम बदलने से महाराष्ट्र गौरव पुनर्जीवित हुआ : शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने कहा है कि औरंगाबाद एवं उस्मानाबाद के नाम परिवर्तन ने महाराष्ट्र के गौरव पुनर्जीवित किया है। बृहस्पतिवार को पार्टी के मुखपत्र सामना के संपादकीय में शिवसेना ने कहा कि नवी मुंबई हवाई अड्डे का नाम बदलकर डी बी पाटिल हवाई अड्डा कर उद्धव ठाकरे नीत (पिछली) सरकार ने माटी के लालों के संघर्ष को सम्मानित किया है। पाटिल ने नवी मुंबई में परियोजना प्रभावित लोगों के अधिकारों के लिए काम किया। ठाकरे की अगुवाई में मंत्रिमंडल की आखिरी बैठक में लिये गये फैसलों में औरंगाबाद और उस्मानाबाद जिलों का नाम बदलकर क्रमशः संभाजीनगर और धाराशिव कर दिया गया। भाजपा औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजी के नाम पर संभाजीनगर करने की मांग

पर शिवसेना को घेरती रही थी। छत्रपति संभाजी भारतीय इतिहास में ध्रुवीकरण करने वाली हस्ती है जिनकी मुगल शासक औरंगजेब के आदेश पर हत्या कर दी गयी थी। शिवसेना ने कहा, औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर और उस्मानाबाद का नाम बदलकर धाराशिव करने का फैसला उन शहीदों का सम्मान करने जैसा है जिन्होंने मराठवाड़ा को मुक्त कराने के लिए संघर्ष किया। उसने कहा कि मराठवाड़ा क्षेत्र जिस तरह औरंगजेब के शासन में उत्पीड़न से गुजरा उसी तरह वह निजाम के कुशासन का भुक्तभोगी रहा। महाराष्ट्र का मराठवाड़ा क्षेत्र हैदराबाद के निजाम के शासन में था। इस क्षेत्र के लोग निजाम के अधीन रजाकारों के उत्पीड़न के शिकार हुए। औरंगाबाद और उस्मानाबाद का नाम बदलने के फैसले पर एआईएमआईएम ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। शिवसेना ने कहा, संभाजीनगर और धाराशिव एवं डी बी पाटिल (हवाई अड्डा) के बारे में फैसले से महाराष्ट्र का गौरव पुनर्जीवित हुआ है। उसने कहा कि इस मामले पर अबतक सरकार पर प्रहार कर रहे विरोधी अब क्या कहेंगे।

ओबीसी आयोग की त्रुटि रहित रिपोर्ट जल्द ही उच्चतम न्यायालय को सौंपेगे: फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के एक दिन बाद, देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय के समक्ष ओबीसी आयोग की 'एक त्रुटि रहित रिपोर्ट' प्रस्तुत करेगी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने आरक्षण को सही ठहराने को लेकर सटीक आंकड़े नहीं होने के चलते स्थानीय सरकारी निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण रद्द कर दिया था।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

यह उनकी जिद और घमंड दिखाता है। कोर्ट ने कहा कि इससे क्या फर्क पड़ता है कि वे एक पार्टी की प्रवक्ता हैं। वे सोचती हैं कि उनके पास सत्ता का समर्थन है और वे कानून के खिलाफ जाकर कुछ भी बोल सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे मामलों को दिल्ली ट्रांसफर करने की उनकी याचिका भी खारिज कर दी। कोर्ट की फटकार के बाद नूपुर शर्मा के वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि वे अपने बयान पर माफी मांग चुकी हैं और उन्होंने इसे वापस भी ले लिया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि जब माफी मांगी गई, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसके बाद नूपुर के वकील ने याचिका वापस लेने की इजाजत मांगी, कोर्ट ने इसकी मंजूरी दे दी। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुबह ग्यारह बजकर तीन मिनट पर सुनवाई शुरू हुई, जो साढ़े ग्यारह बजे तक चली। सुप्रीम कोर्ट में दो जजों ने ने 27 मिनट की सुनवाई के बाद कुल तीन लाइन के आदेश में नूपुर की याचिका का निपटारा कर दिया। हालांकि बेंच ने नूपुर पर जो चार सबसे तल्ख टिप्पणियां की थीं, उनका जिक्र कोर्ट के आदेश में नहीं था। सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने उदयपुर हत्याकांड का जिक्र भी किया। बेंच ने कहा कि नूपुर शर्मा ने बदजुबानी के साथ गैर जिम्मेदाराना बातें कहीं, बिना ये सोचे कि इसका अंजाम क्या होगा।

सरकार बनी पर सबकुछ ठीक नहीं

इससे पहले, राज्यसभा और एमएलसी के चुनाव परिणाम के बाद फडणवीस जश्न मनाने कार्यालय पहुंचे थे। उद्धव सरकार गिरने के बाद भी फडणवीस की मिठाई खाते तस्वीर सामने आई थी। सरकार जाने के बाद शिवसेना कार्यालय पहुंचे उद्धव ठाकरे ने कहा कि सरकार गिराने के लिए आधी रात को खेल खेला गया। एकनाथ शिंदे शिवसेना के मुख्यमंत्री नहीं हैं। वह मुझे कुर्सी से उतार सकते हैं, लेकिन मेरे दिल से महाराष्ट्र नहीं निकाल सकते। महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शुक्रवार को गोवा पहुंचे और अपने समर्थक विधायकों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वे कल विधायकों के साथ मुंबई में बैठक करेंगे। यानी शिंदे के अलावा बाकी के सभी बागी शनिवार को मुंबई पहुंचेंगे और मीटिंग में शामिल होंगे। नई सरकार ने 3 और 4 जुलाई को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है। शिंदे सरकार इस दौरान अपना बहुमत साबित करेगी। इसके बाद हो सकता है कि नए मंत्रिमंडल के लिए भी मंथन हो। इसमें तय होगा कि किसे मंत्री बनाया जाएगा। इधर, एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनते ही आरे कॉलोनी को लेकर उद्धव सरकार का फैसला पलट दिया है। नए मुख्यमंत्री की शपथ ग्रहण के तुरंत बाद राज्य सरकार ने सॉलिसिटर जनरल को निर्देश दिया है कि मेट्रो कार शेड मुंबई की आरे कॉलोनी में ही बनाया जाए।

मुंबई में भारी बारिश

अधिकारियों के मुताबिक बृहस्पतिवार रात शहर और उपनगरों के कई निचले इलाकों में जलभराव के कारण बुरी तरह प्रभावित हुई उपनगरीय ट्रेन सेवाओं का संचालन लगभग सामान्य हो गया है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) जी-नॉर्थ वार्ड में सबसे अधिक 238 मिमी बारिश हुई। इस जी-नॉर्थ वार्ड में दादर, धारावी, माहिम और माटुंगा शामिल हैं। एक अधिकारी के मुताबिक वर्ली और लोअर परेल वाले जी-साउथ वार्ड में 208 मिमी बारिश हुई।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर के निदेशक कार्डियोलॉजी का तबादला रुकवाने के हर संभव प्रयास में जुटे यूपी के पूर्व मंत्री

- पूर्व मंत्री ने उठाया निदेशक कानपुर कार्डियोलॉजी का तबादला रुकवाने के प्रयास को सफल बनाने का बीड़ा

- कानपुर से बाहर तबादला रुकवाने के लिए भी लाखों खर्च किए जाने की भी चर्चा

- इसीलिए अब तक जारी नहीं किया गया तैयार ट्रांसफर लेटर

- खराब आंख के मामले में भी मेडिकल बोर्ड की जांच से भी निदेशक को बचा चुके हैं पूर्व मंत्री

- भ्रष्टाचार से अकूत संपत्ति अर्जित करने के आरोपी निदेशक कार्डियोलॉजी के खिलाफ

संवाददाता/ सुनील बाजपेई

कानपुर। एक आंख खराब होने के फलस्वरूप मरीजों के ऑपरेशन के लिए अयोग्य बताए जाने वाले और निदेशक कार्डियोलॉजी जैसे महत्व पूर्ण पद पर लगभग 15 साल से अंगद की तरह पैर जमाये बैठे डॉक्टर विनय कृष्ण द्वारा अपना कानपुर से बाहर तबादला रुकवाने का लगातार किया जा रहा हर संभव प्रयास एक पूर्व मंत्री को भी चर्चा का विषय बनाए हुए है। भरोसेमंद सूत्रों को दी गई जानकारी के मुताबिक पूर्व मंत्री के नाम की चर्चा तब प्रकाश में आई जब तबादला रुकवाने की कोशिश की तहत उनके द्वारा विभागीय मंत्री से सिफारिश करवाने का दावा किया गया। निदेशक के अति नजदीकी और खास बताए जाने वाले सूत्रों के मुताबिक पूर्व मंत्री के माध्यम से कानपुर से बाहर तबादला रुकवाने में जल्द ही पूर्ण सफलता प्राप्त कर ली जाएगी। इस बारे में स्टाफ नर्स उत्पीड़न मामले को लेकर न्याय के लिए लगातार संघर्ष के फलस्वरूप निदेशक कार्डियोलॉजी समेत अन्य आरोपी डाक्टरों के खिलाफ भी शासन से जांच शुरू करवाने में सफल वरिष्ठ पत्रकार संतोष यादव ने भी बताया कि उनके द्वारा भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद से की गई शिकायत पर 14 सितंबर 2020 को मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया के सलाहकार डॉ हंसराज बवेजा ने तत्कालीन प्रिंसिपल सेक्रेट्री उत्तर प्रदेश को कार्डियोलॉजी निदेशक डॉक्टर विनय कृष्ण की आंख की जांच कराने को कहा था लेकिन निदेशक कार्डियोलॉजी का तबादला रुकवाने का लगातार जोरदार प्रयास कर रहे इसी पूर्व मंत्री ने तब भी मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा दिए गए आदेश निर्देशों को धता बताते हुए सरकार द्वारा कार्डियोलॉजी को दिए जाने वाले करोड़ों के बजट में भारी कमीशन खोरी तथा अन्य भ्रष्ट तरीकों से भी चल -अचल, नामी बेनामी अकूत संपत्ति अर्जित करने के आरोपी डॉक्टर विनय कृष्ण की खराब आंख मामले की जांच करने के बजाय पूरे मामले को दबवा दिया था। न्याय के लिए लगातार जुझारू संघर्ष कर रहे पत्रकार संतोष यादव के मुताबिक विभागीय भी रह चुके इसी पूर्व मंत्री द्वारा अब करोड़ों के बजट में भारी कमीशन खोरी तथा अन्य भ्रष्ट तरीकों से भी चल अचल नामी बेनामी अकूत संपत्ति अर्जित करने को लेकर चर्चित डॉक्टर विनय कृष्ण का तबादला रुकवाने का भी जोरदार प्रयास लगातार जारी है। स्टाफ नर्स उत्पीड़न मामले के पैरोकार पत्रकार संतोष यादव ने यह भी सवाल उठाया कि जब लगभग 40 साल से कानपुर में ही नियुक्त और लगभग 15 साल से कार्डियोलॉजी निदेशक के पद पर आसीन डॉक्टर विनय कृष्ण पर बजट में कमीशन खोरी और अन्य भ्रष्ट तरीकों से भी अकूत संपत्ति अर्जित करने जैसे गंभीर आरोप लग चुके हैं। इस बारे में उनके खिलाफ अनेक शिकायतें भी की जा चुकी हैं। यहां तक कि स्टाफ नर्स उत्पीड़न मामले में शासन द्वारा उनके खिलाफ जांच भी करवाई जा रही है। तब भी यह विभागीय पूर्व मंत्री अपने किस निहित स्वार्थ की पूर्ति किए जाने के फलस्वरूप उनका कानपुर से बाहर तबादला रुकवाने का हर सम्भव प्रयास लगातार कर रहे हैं। संतोष यादव के मुताबिक निदेशक कार्डियोलॉजी और उनके खास नजदीकी लोगों द्वारा इस बारे में जिस आशय का प्रचार किया जा रहा है। उसके मुताबिक उन्होंने इस पूर्व मंत्री को खुश करके अपना तबादला रुकवाने के जारी हर संभव प्रयास के तहत उस मंत्री से सिफारिश करवाई है, जो उनका तबादला रुकवाने में सक्षम है। संतोष यादव के मुताबिक यही वजह है कि तैयार होने के बाद भी तबादला लेटर को अभी तक जारी नहीं होने दिया गया है। संतोष यादव ने यह भी आरोप लगाया कि अबतक की गई अनेक शिकायतों के आधार पर खिलाफ कार्रवाही से बचने मिली सफलता निदेशक कार्डियोलॉजी द्वारा किए गये पैसे और ऊँची पहुंच के प्रयोग का ही परिणाम है। कुल मिलाकर भ्रष्टाचार कमीशनखोरी के बल पर कथित रूप से करोड़ों की चल- अचल नामी और बेनामी अकूत संपत्ति अर्जित करने जैसे गंभीर आरोपों के साथ ही स्टाफ नर्स उत्पीड़न मामले की वर्तमान में हो रही जांच के बाद भी निदेशक कार्डियोलॉजी का कानपुर से बाहर तबादला रुकवाने की लगातार जारी जोरदार कोशिश इस पूर्व मंत्री को चर्चा का विषय बनाए हुए है, जिसे इस पूर्व मंत्री द्वारा अपने निहित स्वार्थ की पूर्ति हेतु योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के उद्देश्य के खिलाफ भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाला भी माना जा रहा है' फिलहाल इस प्रभावशाली पूर्व मंत्री द्वारा निदेशक कार्डियोलॉजी का तबादला रुकवाने का जारी हर संभव प्रयास क्या वास्तव में सफल हो पाएगा। क्या यही पूर्व मंत्री स्टाफ नर्स उत्पीड़न मामले में शासन द्वारा तीन सदस्य कमेटी से कार्डियोलॉजी निदेशक के खिलाफ कराई जा रही जांच को भी रफा-दफा करवायेगा? मतलब क्या पूर्व मंत्री की कृपा से मरीजों के हित के खिलाफ पैसे और पहुंच के बल पर भ्रष्टाचार फिर जीत जाएगा? यह आने वाला वक्त ही बताएगा?

कानपुर के बंसठी में सांप्रदायिक तनाव बरकरार, फोर्स तैनात

धार्मिक स्थल का रंग बदलने को लेकर तीन दिन पहले सामने आए थे दो संप्रदाय

संवाददाता/ सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां कानपुर आउटर जिले के चौबेपुर थाने के अंतर्गत बंसठी गांव में तीन दिन पहले पैदा हुआ सांप्रदायिक तनाव लगातार बरकरार बताया गया है। जिसके वहां बड़ी संख्या में फोर्स भी तैनात चल रहा है। अवगत कराते चलें कि चौबेपुर थाने के बंसठी गांव में बहुत पुराना धार्मिक स्थल बना हुआ है। यहां दोनों ही संप्रदायों के लोग पूजा-पाठ और इबादत करते हैं। जानकारी के मुताबिक बीते सोमवार की रात को किसी धार्मिक स्थल चबूतरे का एक वर्ग ने पुताई करके उसका रंग बदल दिया था। इसकी जानकारी जब दूसरे संप्रदाय के लोगों को हुई तो वह चबूतरे की पुताई करने वाले लोगों के खिलाफ भड़क उठे थे। इसके पहले कि मामला और तूल पकड़ पाता। इसकी सूचना पुलिस अधिकारियों को मिल गई थी और उन्होंने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को उस समय समझा बुझाकर

शांत करा दिया था। साथ ही चबूतरे की पुताई को पूर्ववत स्थित में भी करा दिया था। लेकिन इसके बाद भी मामला अभी तक पूरी तरह शांत नहीं हो पाया है। तनाव लगातार बरकरार चल रहा है, जिसे देखते हुए गांव में बड़ी संख्या में फोर्स भी तैनात है। साथ ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी हालातों पर नजर रखे हुए हैं।

जून 2022 में जीएसटी कलेक्शन 1.44 लाख करोड़, पिछले साल से 56 फीसदी ज्यादा

नई दिल्ली। जून के महीने में जीएसटी कलेक्शन में तगड़ा इजाफा हुआ है। सरकार के आंकड़ों के अनुसार जून 2022 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 1.44 लाख करोड़ रुपए रहा है। यह पिछले साल के जून महीने के मुकाबले 56 प्रतिशत ज्यादा है। फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने कहा है कि अब जीएसटी से होने वाली आमदनी 1.40 लाख करोड़ रुपए से ऊपर बनी रहेगी। आपको बता दें कि मई 2022 में जीएसटी कलेक्शन 1,40,885 करोड़ रुपए था, तब यह पिछले साल की तुलना में 44 प्रतिशत ज्यादा था। आपको बता दें कि एक जुलाई को देश में जीएसटी को लागू हुए पांच साल पूरे हो चुके हैं। देश में पिछले पांच सालों में जीएसटी को लेकर मिला-जुला अनुभव रहा है। अभी दो दिनों पहले ही चंडीगढ़ में जीएसटी परिषद् की 47वीं बैठक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में संपन्न हुई है। इस बैठक में कई चीजों पर जीएसटी की दरों को बढ़ाने तो कई चीजों पर जीएसटी की दरों को कम करने का फैसला लिया गया था। वहीं दूसरी ओर, देश के पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने जीएसटी की व्यवस्था पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी यह बात साफ करना चाहती है कि देश में वर्तमान समय में जो जीएसटी व्यवस्था लागू है वह वह जीएसटी नहीं है जिसे कांग्रेस पार्टी अमल में लाना चाहती थी। वर्तमान में जो जीएसटी कानून देश में लागू है वह त्रुटिपूर्ण, दोषपूर्ण और अस्थिर है। इस कानून में कई खामियां हैं। वर्तमान व्यवस्था में सरकार को सैकड़ों कार्यकारी आदेश जारी करने पड़ते हैं। पी चिदंबरम यह बातें देश में जीएसटी कर व्यवस्था के पांच साल पूरा होने के मौके पर बोल रहे थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

टमाटर के जूस के फायदे अनेक लेकिन ये मरीज रहें सावधान

टमाटर सब्जी के स्वाद को बढ़ाने के साथ-साथ सलाद के रुप में भी काफी पसंद किया जाता है। टमाटर कोलेस्ट्रोल लेवल को बैलेंस कर शरीर में खून की कमी को भी दूर करता है। इसके सेवन से भूख लगने वाले हार्मोंस भी कंट्रोल में रहते हैं, जिससे आप आसानी से वजन कम कर सकती है। तो चलिए जानते हैं टमाटर का जूस पीने के अन्य फायदे...

टमाटर का जूस क्यों है फायदेमंद ?

टमाटर में विटामिन-सी, बायोलॉजिकल सोडियम, फॉस्फोरस, कैल्शियम, पोटेशियम और सल्फर उच्च मात्रा में होता है जो कई स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को कम करने में मदद करता है। टमाटर के जूस में मौजूद पोषक तत्व कैंसर के खतरे को भी कम कर सकता है। साथ ही इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, इस जूस को सेवन करने से किसी भी प्रकार का इंफेक्शन होने का खतरा कम हो जाता है। इसके अलावा टमाटर के जूस में मौजूद केमिकल मांसपेशियों में होने वाले खिंचाव को कम करता है।

बल्ड-प्रेशर को करे कंट्रोल - फूड साइंस एंड न्यूट्रीशन के एक शोध से पता चला है कि लगभग 184 पुरूषों और 297 महिलाओं को बिना नमक वाला टमाटर का जूस दिया गया है। इस अध्ययन के अंत में हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित 94 प्रतिभागियों के ब्लड प्रेशर में गिरावट हुई। उनका ब्लड प्रेशर 141.2/83 से घटकर 137.0/80.0 पर आ गया। जापान की टोकियो मेडिकल एंड डेंटल यूनिवर्सिटी के रिसर्चर से इस बात का पता चला कि हाई कोलेस्ट्रॉल से पीड़ित 125 पार्टिसिपेंट्स का कोलेस्ट्रॉल लेवल 155.0 मिलीग्राम से कम होकर 149.0 मिलीग्राम हो गया।

दुबले-पतले बच्चों के लिए फायदेमंद - बच्चों के रोज सुबह एक टमाटर या फिर टमाटर का रस निकालकर अवश्य खिलाएं।अगर बच्चे को सूखा रोग यानि जो बच्चे खाने-पीने के बावजूद दुबले-पतले रह जाते हैं, उन बच्चों को प्रतिदिन एक गिलास टमाटर का जूस पिलाने से सूखे रोग जैसी बीमारी में आराम मिलता है। बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए टमाटर बहुत फायदेमंद होता है।

पथरी के पेशेंट रहें सावधान -जिन लोगों को किडनी या पित्ते में पथरी की परेशानी है, उन्हें टमाटर का जूस नहीं पीना चाहिए। टमाटर के बीज काफी हद तक सख्त होते हैं, जो बहुत जल्द हमारी बॉडी में बिना पिसे ही पड़े रहते हैं। पथरी आमतौर पर तब होती है जब किडनी में ऑक्जलेट और कैल्शियम जैसे कई तत्व जमा होते-होते एक ठोस कंकड़ जैसे हो जाते हैं। टमाटर में भी ऑक्जालेट मौजूद होता है, लेकिन उसकी मात्रा सीमित होती है। हां अगर आप टमाटर के शौकीन हैं और बहुत ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करते हैं, तो इसके बीजों को निकालकर इसका प्रयोग करें। आप चाहें तो बीज निकले हुए टमाटरों के जूस का भी सेवन कर सकते हैं।

टमाटर के अन्य फायदे

➤टमाटर का जूस ग्लोइंग स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

➤टमाटर में मौजूद विटमिन और कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है।टमाटर पाचन शक्ति को बेहतर करता है और पेट से -जुड़ी समस्या जैसे अपच, कब्ज, दस्त जैसी स्थिति को कम करता है।

➤मोटापा घटाने के लिए भी टमाटर का इस्तेमाल किया जा सकता है। प्रतिदिन एक से दो गिलास टमाटर का जूस पीने से वजन घटता है।

➤गठिया के रोग में भी टमाटर बहुत फायदेमंद है। प्रतिदिन टमाटर के जूस में अजवायन मिलाकर खाने से गठिया के दर्द में आराम मिलता है।

➤ टमाटर का जूस विटामिन सी की मात्रा से भरपूर होता है, जो गभर्वती महिला के लिए काफी अच्छा होता है।

➤अगर पेट में कीड़े हो जाएं तो सुबह खाली पेट टमाटर में काली मिर्च मिलाकर खाने से फायदा होता है।

➤टमाटर के नियमित सेवन से डायबिटीज में फायदा होता है। इससे आंखों की रौशनी बढ़ती है।

बेवजह थायराइड की गोलियां लेना है खतरनाक, देसी नुस्खों से करे कंट्रोल

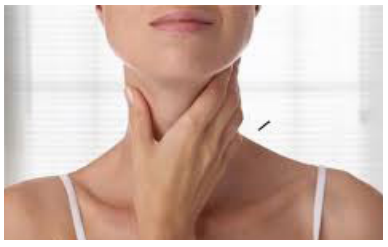

क्या है थायराइड डिसऑर्डर?

यह बीमारी थायराइड ग्रंथि की अधिक या कम काम करने के कारण होती है। शरीर में थायराइड नाम की एक ग्रंथि होती है, जिससे थायोराइक्सिन टी 4 और ट्रिडोथारोनाइन टी 3 हार्मोन्स निकलते है। ये हार्मोन्स शरीर की एनर्जी को कंट्रोल करे ब्लड सकुर्लेशन, सांस लेने और डाइजेशन जैसी जरूरी क्रियाओं में मदद करते हैं। इस ग्रंथि में खराबी आ जाने के कारण थायराइड की शिकायत हो जाती है। इन्ही हॉर्मोन को ठीक करने के गोली दी जाती है जिसे सुबह खाली पेट लेने की सलाह दी जाती हैं।

आईए जानते है थायराइड को ठीक करने के घरेलू नुस्खे

मुलेठी - मुलेठी में पाया जाने वाला 'ट्रीटरपेनोइड ग्लाइसेरीथेनिक एसिड' थायराइड कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकता है। इसके साथ ही थायराइड और दूसरी ग्रन्थि में संतुलन स्थापित करके इससे ग्रसित व्यक्ति की थकावट को कम करके एनर्जी के लेवल को बढ़ाता है।

अश्वगंधा - अश्वगंधा में मौजूद 'एंटीऑक्सीडेंट गुण' थायराइड ग्रन्थि को प्रभावित कर सही मात्रा में हार्मोन का उत्पादन करता है। इसके साथ ही इसका एंटी इंफ्लेमेट्री गुण स्ट्रैस कम कर इम्यून सिस्टम को सुधारने में मदद करता हैं।

अदरक - अदरक में पाए जाने वाले पोटेशियम, मैग्नीशियम थायराइड के लिए बहुत ही जरुरी होते है। इसमें मौजूद खनिज शरीर की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। यह उल्टी और जी मिचलने जैसी समस्या को भी दूर करने में मदद करते हैं।

बाकोपा - बाकोपा नाम की जड़ी बूटी थायराइड ग्रंथि को संतुलित करने के काफी काम आती हैं।

काले अखरोट - थायराइड ग्रंथि के स्वास्थ्य तरीके से काम करने के लिए आयोडीन बहुत ही जरुरी पोषक तत्व होता है। आयोडीन के लिए काले अखरोट सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता हैं।

अलसी के बीज - अलसी के बीज में पाए जाने वाला फैटी एसिड, ओमेगा-3 फैटी एसिड थायराइड की समस्या में फायदेमंद होते हैं। अलसी के बीज का सेवन करने से थायराइड हार्मोन के उत्पादन में सुधार होता है।

मशरूम व अंडे - मशरुम व अंडे में पाए जाने वाली सेलेनियम की मात्रा थायराइड को कंट्रोल करने में काफी मदद करती हैं।

नट्स - नट्स हमारी सेहत के लिए बहुत ही उपयोगी होते है। इसमें मौजूद तत्व थायराइड से होने वाले हार्ट अटैक के खतरे को रोकने में मदद करते है।

दही - दही शरीर का इम्यूनिटी लेवल बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही थायराइड की समस्या को भी कंट्रोल करता हैं।

नारियल पानी पीने के है शौकीन तो एक बार पढ़ ले इसके फायदे व नुकसान

नारियल पानी न केवल पानी का अच्छा स्त्रोत है बल्कि इसमें विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, मैग्नीशियम, खनिज पदार्थ जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह न केवल हमें स्वस्थ रखते है साथ ही गर्मी के मौसम में ठंडा व तरोताजा भी रखते हैं, लेकिन इसके जितने फायदे है उतने नुकसान भी है। नारियल पानी का अधिक सेवन शरीर को कई तरह के नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए इनका सेवन करने से पहले एक बार इसके फायदे व इससे होने वाले नुकसान के बारे में जरुर पढ़ लें।

नारियल पानी पीने के फायदे

➤ इसमें वसा बहुत ही कम होता है जिस कारण कॉलेस्ट्रोल नहीं होता है। इसलिए यह दिल की मरीज व मोटापे के शिकार लोगों के बहुत ही अच्छा होता हैं।

➤ एक नारियल पानी में 200 से 250 मिलिलीटर पानी होता है, इसलिए यह शरीर में से पानी की कमी को पूरा करता हैं।

➤ इसमें पाए जाने वाले विटामिन सी, पोटाशियम, मैग्नीशियम के गुण ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

➤ अगर गुर्दे में पथरी है तो नारियल पानी पीना बहुत ही फायदेमंद होता हैं। इसके अधिक सेवन से पथरी मूत्र के रास्ते से बाहर निकल जाती हैं।

➤ यह चेहरे की सुंदरता बढ़ाने में बहुत ही मदद करता है, नारियल पानी को आप चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

➤ नारियल पानी शरीर को ठंडक देने के साथ एनर्जी लेवल को भी बढ़ाता हैं।

➤ शरीर में मेटाबलिज्म में सुधार के बाद फ्री रेडिकल्स बनते है जो तनाव को पैदा करते है, नारियल पानी इन रेडिकल्स को बनने से रोकता हैं।

नारियल पानी के नुकसान

➤ इसमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है इसलिए यह डायबिटीज के रोगियों के लिए नुकसानदायक हो सकता हैं। इतना ही नहीं दिल की मरीज भी इसी सीमित मात्रा में ही लें।

➤ शरीर में अगर हर समय थकान व कमजोरी महसूस होती है तो नारियल पानी का कम सेवन करना चाहिए, इससे शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बिगड़ सकता हैं।

➤ 300 मिली नारियल पानी में 60 कैलोरी होती है, इसलिए इनका सेवन बहुत ही सावधानी से करना चाहिए। इनका अधिक उपयोग तभी करें जब आपका ऊर्जा की अधिक आपूर्ति हो रही हैं।

➤ इसमें ड्यूरेटिक गुण पाए जाते है, जिससे थोड़े थोड़े समय पर पेशाब आता है। चाहे नारियल पानी शरीर को हाइड्रेटेड रखता है लेकिन अधिक सेवन डिहाइड्रेशन का कारण भी बन सकती है।

➤ यह शरीर में एक लैक्सेटिव के तौर पर काम करता है, जो कि आपके पाचन तंत्र को प्रभावित करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बॉलीवुड में आग लगाने के लिए तैयार नई सेक्सी अभिनेत्री नव्या सिंह

बिहार के कटिहार में एक सिख परिवार में पैदा हुई नव्या सिंह जन्म से ही लड़का थीं। लेकिन अपने अस्तित्व को नई पहचान देने की हिम्मत रखने वालीं ट्रांसवुमन नव्या सिंह आज एक मॉडल, एक्टर और मिस इंडिया ब्यूटी पेजेंट की ब्रांड एंबेसडर हैं और बहुत से लोगों के लिए एक प्रेरणा है। नव्या ने बताया कि लड़की बनने के बाद मुझे साल 2016 में इंडिया के प्रमुख मैग्जीन की तरफ से बतौर मॉडल पहला काम मिला। इसके बाद मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगी। उस समय मैंने सावधान इंडिया में ट्रांसवुमन मोना का मुख्य किरदार भी निभाया था। नव्या ने बताया कि साल 2017 में मुझे मिस ट्रांसक्वीन इंडिया ब्यूटी पेजेंट के बारे में पता चला, जिसका मैंने ऑडिशन भी दिया। यह भारत का एकमात्र ट्रांसवुमन ब्यूटी पेजेंट है, जो पहली बार आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में मैं टॉप 5 प्रतिभागियों में भी शामिल हुई। बाद में इन लोगों ने मुझे मिस ट्रांसक्वीन का ब्रांड एंबेसडर भी बना दिया, जिसकी मैं 4 सालों से ब्रांडेड कर रही हूं। इसके अलावा मैंने सेक्स रैकेट पर आधारित एक बायोपिक फिल्म में भी काम किया है। मॉडलिंग से लेकर कई टीवी सीरियल और फिल्मों में अभिनय करने के बाद अब बॉलीवुड में भी आग लगाने को तैयार हैं। बता दें कि नव्या सिंह एक मशहूर टीवी एक्ट्रेस और मॉडल होने के साथ TEDx मोटिवेशनल स्पीकर और मिस ट्रांसक्वीन इंडिया की ब्यूटी प्रेजेंट ब्रांड एम्बेसडर भी हैं, साथ ही नव्या सिंह को दो बार बेस्ट सुपरमॉडल के लिए अवार्ड भी मिल चुका है। नव्या सिंह एलजीबीटी समुदाय के लिए एक्टिविस्ट के तौर पर भी काम करती हैं। नव्या सिंह ने कहा कि यदि मनुष्य को किसी कार्य को करने की भूख हो तो वह अपने सपनों की मंजिल पा ही लेता है।

नव्या सिंह बहुत जल्द एक शॉर्ट फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसके डायरेक्टर अमित सिंह चौहान हैं, और को एक्टर तौसीफ कुरैशी हैं, जिसका शूटिंग इस वक्त छत्तीसगढ़ में चल रहा है

शाहरुख खान की 'जवान' में नहीं नजर आएंगे राणा दग्गुबाती

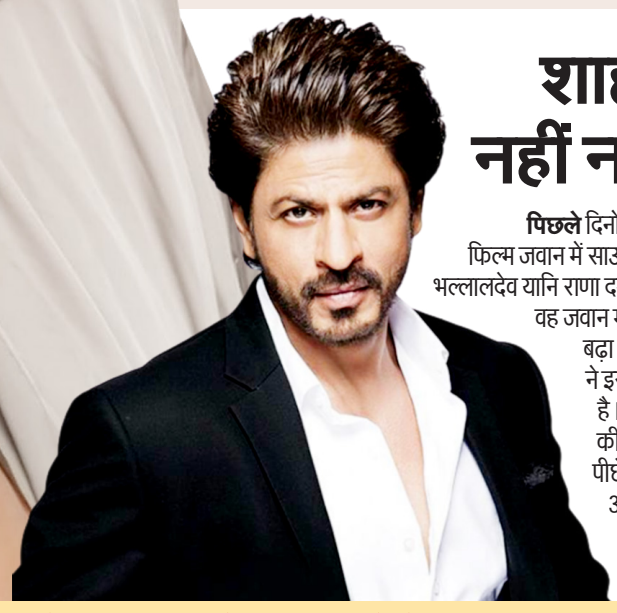

पिछले दिनों बॉलीवुड में ऐसी चर्चा थी कि शाहरुख खान की फिल्म जवान में साउथ के सुपरस्टार और बाहुबली सीरीज के विलेन भल्लालदेव यानि राणा दग्गुबाती भी नजर आने वाले हैं। चर्चा ये भी थी कि वह जवान में विलेन का रोल निभाकर फिल्म का लेवल और बढ़ा देंगे, लेकिन अब खबर आ रही है राणा दग्गुबाती ने इस फिल्म में कोई भी रोल करने से मना कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वह शाहरुख खान की फिल्म जवान में नहीं दिखाई देंगे। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई है। शाहरुख खान इन दिनों अपनी फिल्म जवान की शूटिंग में बिजी हैं। बता दें कि मेकर्स पहले ही इस फिल्म का आधिकारिक तौर पर एलान कर चुके हैं।

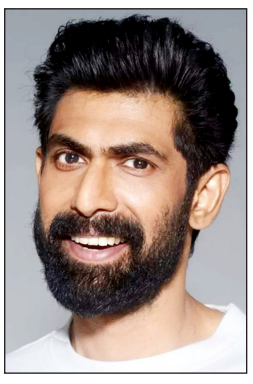

गौहर खान की खूबसूरती बनी उनके फिल्म से बाहर होने की वजह?

गौहर खान टीवी से लेकर बॉलीवुड और अब ओटीटी पर भी अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा चुकी है। लेकिन गौहर को अपनी करियर में असली कामयाबी तब मिली जब वो टीवी रियलिटी शो बिग बॉस का हिस्सा बनी। गौहर ने लोगो का दिल जीतकर बिग बॉस की ट्रॉफी भी अपने नाम कर ली थी। वही एक्ट्रेस को लोग उनकी एक्टिंग और उनके नेचर के अलावा उनकी खूबसूरती के लिए भी पसंद करते है। गौहर खान नैचुरली इतनी हसीं दिखती है कि उन्हें मेकअप की भी जरूरत नही है। लेकिन क्या आपको बता है एक्ट्रेस की ये खूबसूरती ही उनके रास्ता का कांटा बन गयी थी? अब एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने हैरान कर देने वाला खुलासा करते हुए बताया कि ज्यादा खूबसूरती की वजह से उन्होंने एक बड़ा प्रोजेक्ट गंवा दिया था। फिल्म 'स्लमडॉग मिलेनियर' के लिए गौहर ने कई बार ऑडिशन दिया था। फ्रीडा पिंटो और देव पटेल की साल 2008 में आई फिल्म 'स्लमडॉग मिलेनियर' की जमकर प्रशंसा हुई थी। इस फिल्म को ग्लोबली पसंद किया गया था। गौहर खान ने एक इंटरव्यू में बताया कि डैनी बॉयल ने इस फिल्म के लिए उनका कई बार ऑडिशन लिया था। गौहर खान ने बताया कि अच्छे रोल को पाने के लिए कोई फॉर्मूला नहीं होता है। आप अच्छे दिखते हैं तो भी सफलता की गारंटी नहीं है। मुझे अपनी लाइफ के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स से सिर्फ इस वजह से हाथ धोना पड़ा क्योंकि मैं अच्छी दिखती थी, और ये प्रोजेक्ट था 'स्लमडॉग मिलेनियर।'